मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे भूमि पूजन, दो वर्ष में 300 करोड़ से बदलेगा घाटों का स्वरूप

सरयू के तर्ज पर विकसित होगा मां नर्मदा का पावन तट

हरिभूमि, जबलपुर।

मध्यप्रदेश सरकार माँ नर्मदा तट को सरयू की तर्ज पर विकसित करने जा रही है। इस महायोजना का भूमि पूजन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा किया जाएगा। लगभग 300 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से दो वर्षों में पूरा होने वाले इस प्रोजेक्ट से जबलपुर के घाटों की पहचान और आस्था दोनों को नया आयाम मिलने जा रहा है।

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने समदड़िया होटल में पत्रकार वार्ता में बताया कि यह योजना पर्यावरणीय अनुकूलता, आस्था, स्वच्छता और पर्यटन विकास को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि "माँ नर्मदा हमारी जीवनरेखा हैं। अब उनके तटों का सौंदर्य, सुरक्षा और श्रद्धा का संगम एक साथ दिखेगा।

छह घाटों का होगा एकीकृत विकास

योजना के पहले चरण में खारीघाट, दरोगा घाट, ग्वारीघाट, उमा घाट, सिद्ध घाट और जिलहरी घाट को एक रूप में विकसित किया जाएगा। घाटों पर व्यवस्थित सीढ़ियाँ, स्नान स्थल, तीर्थ पुरोहितों के लिए स्थान, चेंजिंग रूम और नाव घाट बनाए जाएंगे।

भव्य नाव घाट के साथ मंच होंगे स्थापित

खारीघाट पर जलकुंड और विसर्जन स्थल का निर्माण होगा। दरोगा घाट पर भव्य 'नाव घाट' तथा घाट की दीवारों पर नर्मदा की कथा को दर्शाते म्यूरल्स और आर्टवर्क बनाए जाएंगे। घाट क्षेत्र की संध्या आरती के लिए पांच भव्य मंच निर्मित किए जाएंगे, जिससे श्रद्धालुओं को सरयू की भांति दिव्य अनुभव प्राप्त हो सके।

पर्यावरण-संवेदनशील निर्माण

मंत्री सिंह ने बताया कि माँ नर्मदा की मुख्य धारा को प्रदूषण-मुक्त रखने के लिए एक 800 मीटर लंबा और 15 मीटर चौड़ा जल चैनल बनाया जाएगा। इसमें दो खंड होंगे—पहला पुष्प अर्पण और दीपदान के लिए, दूसरा श्रद्धालुओं के स्नान के लिए। इस व्यवस्था से नर्मदा जल में प्रदूषण नहीं फैलेगा। घाटों पर एंटी स्किड पत्थर, अंडरग्राउंड ड्रेनेज सिस्टम और सौर ऊर्जा आधारित एलईडी लाइटिंग लगाई जाएगी।

सुव्यवस्थित यातायात और पार्किंग सुविधा

नर्मदा तट पर बढ़ती भीड़ को देखते हुए पाँच स्थानों पर 900 दोपहिया और 700 चारपहिया वाहनों के लिए आधुनिक पार्किंग स्थल विकसित किए जाएंगे। गौरीघाट क्षेत्र में वाहनों का प्रवेश निषेध रहेगा और ड्रॉपिंग प्वाइंट से घाट तक पैदल पथ बनाया जाएगा। वृद्ध एवं दिव्यांग श्रद्धालुओं के लिए ई-कार्ट सुविधा भी उपलब्ध होगी।

सांस्कृतिक केंद्र और मोक्षधाम का विकास

जिलहरी घाट पर धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों के लिए एक भव्य मंच तैयार होगा। वहीं गौरीघाट मुक्तिधाम को सुव्यवस्थित एवं शांतिपूर्ण "मोक्षधाम" का स्वरूप दिया जाएगा। घाट क्षेत्र में वॉच टावर, कंट्रोल रूम और स्वच्छता के लिए आधुनिक उपकरण लगाए जाएंगे।

स्थानीय रोजगार और आस्था का संगम-

वर्तमान अस्थायी दुकानों को हटाकर स्थायी, सुव्यवस्थित दुकानों का निर्माण किया जाएगा, जहाँ प्रसाद, श्रृंगार और पूजन सामग्री मिलेगी। दुकानों के आसपास हरित क्षेत्र, बैठने की व्यवस्था और छायादार वृक्ष लगाए जाएंगे।

मां नर्मदा की सेवा का पुण्य अवसर-

मंत्री राकेश सिंह ने कहा यह केवल विकास परियोजना नहीं, बल्कि माँ नर्मदा की सेवा का पुण्य अवसर है। सरयू की भाँति जबलपुर के घाट भी आस्था, सौंदर्य और स्वच्छता के प्रतीक बनेंगे। यह योजना प्रदेश की सांस्कृतिक और पर्यावरणीय चेतना को नई ऊँचाइयों तक ले जाएगी।

यह रहे उपस्थित-

पत्रकार वार्ता में राज्यसभा सांसद सुमित्रा वाल्मीकि, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, विधायक अशोक रोहाणी, सुशील तिवारी इंदु, नीरज सिंह, संतोष बरकडे, महानगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, ग्रामीण अध्यक्ष राजकुमार पटेल, जिप अध्यक्ष आशा गोंटिया, एमपीआरडीसी के प्रबंध निदेशक भरत यादव उपस्थित थे।

हरिभूमि inh के संजय साहू को मिलेगा अजित वर्मा पत्रकारिता पुरस्कार

मित्रसंघ का आयोजन 5 नवम्बर को

जबलपुर। दैनिक जयलोक की 32 वर्ष पूर्व स्थापना करने वाले संस्थापक अजित वर्मा की स्मृति में पत्रकारिता पुरस्कार समारोह चतुर्थ वर्ष 5 नवम्बर को आयोजित किया जा रहा है। इस वर्ष वरिष्ठ पत्रकार आशीष शुक्ला (यश भारत) एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया से संजय साहू (हरिभूमि inh) को सम्मानित किया जाएगा। आयोजन में आशीषदाता ब्रह्मचारी सुबुद्धानंद महाराज, मुख्य अतिथि राकेश सिंह लोक निर्माण मंत्री मप्र, होंगे। अध्यक्षता महापौर जगतबहादुर सिंह अन्नू करेंगे। विशिष्ट अतिथि अजय विश्नोई विधायक, लखन घनघोरिया विधायक, अभिलाष पांडे विधायक, विनय सक्सेना पूर्व विधायक, डॉ. राजेश धीरावाणी वरिष्ठ चिकित्सक होंगे।

सरदार वल्लभाई पटेल लौह पुरुष की 150वी जयंती मनाई

हरिभूमि पनागर। लोह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150 सी जयंती बड़े ही धूमधाम से मनाई गई. पनागर विधानसभा की बड़ौदा चौराहे में कुर्मी समाज के लोगों ने एकत्रित होकर सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया. रजनीश पटेल जिलाध्यक्ष-अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा मध्यप्रदेश जिला-जबलपुर ने बताया कि बृजबिहारी पटेल राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा की विशेष उपस्थित मे समाज के सैकड़ो सम्मानीय सदस्यो ने उपस्थित होकर मूर्ति मे माल्यार्पण करके बड़े-धूमधाम से मिठाई वितरित करके मनाई। समाज के प्रमुख रुप से सम्मानीय सदस्य श्रीमती विजयकांती पटेल पूर्व अध्यक्ष जिला पंचायत जबलपुर, विवेक पटेल उपाध्यक्ष जिला पंचायत जबलपुर, दिलीप पटेल उपाध्यक्ष जनपद पंचायत सिहोरा, नरबद पटेल,एड.रमेश पटेल, अनिल पटेल, प्रतिनिधि राजेन्द्र पटेल उपाध्यक्ष जनपद पंचायत पनागर की उपस्थित मे क्षेत्र के सैकड़ों नागरिको ने सरदार वल्लभाई पटेल लौह पुरुष की जयंती मनाई।

कल्याणक केवल तीर्थंकर के होते हैं

पंचकल्याणक एवं विश्वशांति महायज्ञ का आयोजन

जबलपुर। श्री माज्जिनेंन्द्र जिन बिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा एवं विश्व शांति महायज्ञ के दूसरे दिन जन्म कल्याणक विधान,मंगलकलशों से हुआ जन्मभिषेक दिगंबर जैन अमृत तीर्थ मंदिर के टेलीग्राफ ग्राउंड में आयोजित पंचकल्याणक महोत्सव में रविवार को जन्म कल्याणक का विधान पूरी गरिमा के साथ आयोजित किया गया। इस दौरान आदि कुमार का पालना और बाल क्रीड़ा का दृश्य देख श्रद्धालु भावविभोर हो गए । रात्रि के अंधकार में जन्म कल्याणक का ऐसा प्रकाश फैला की आयोजन स्थल में चारों तरफ उजियारा ही उजियारा नजर आने लगा । पट्टाचार्य विशुद्धसागर महाराज के ससंघ सानिध्य में मुख्य प्रतिष्ठाचार्य बाल ब्रह्मचारी आशीष भैया पुण्यांश एवं प्रतिष्ठाचार्य पंडित पीयूष भैया तथा सह प्रतिष्ठाचार्य अशोक दानी ने विधिवत नित्यमह पूजा के बाद आदि कुमार का जन्मोत्सव, जन्मातिशय आरोहण का विधान पूर्ण कराया। इसके बाद बधाइयां, सौधर्म इंद्र द्वारा अयोध्या नगरी की प्रदक्षिणा, इंद्राणी का आदि कुमार को लाना, सहस्त्र नेत्रों से सौधर्म इंद्र द्वारा दर्शन किया गया।इसके बाद ऐरावत हाथी पर पाण्डुक शिला की ओर जन्म कल्याण की शोभायात्रा निकाली गई।1008 कलशों से जन्मभिषेक किया गया।

पश्चिम मध्य रेल से संचालित हो रही हैं स्पेशल ट्रेनें

जबलपुर।

रेल प्रशासन द्वारा अतिरिक्त यात्री यातायात को देखते हुए यात्रियों की सुविधा के लिए स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही है। इसी कड़ी में पश्चिम मध्य रेल पर अतिरिक्त यात्री यातायात को देखते हुए यात्रियों की सुविधा हेतु जबलपुर-आनन्द विहार टर्मिनल-जबलपुर, जबलपुर-दानापुर-जबलपुर, रानी कमलापति-दानापुर-रानी कमलापति, सोगरिया-दानापुर-सोगरिया एवं कोटा–पानीपत–कोटा के मध्य स्पेशल ट्रेनें संचालित हो रही है।

जबलपुर-आनन्द विहार टर्मिनल-जबलपुर साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन

गाड़ी संख्या 01707 जबलपुर से आनन्द विहार टर्मिनल साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन आगामी 3 नवंबर 2025 तक* प्रत्येक सोमवार को एक्सप्रेस ट्रेन जबलपुर से दोपहर 14:40 बजे प्रस्थान कर और दूसरे दिन मंगलवार को दोपहर 12:25 बजे आनन्द विहार टर्मिनल स्टेशन पर पहुँच रही है।

गाड़ी संख्या 01708 आनन्द विहार टर्मिनल से

जबलपुर साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन आगामी 4 नवंबर 2025 तक प्रत्येक मंगलवार को एक्सप्रेस ट्रेन आनन्द विहार टर्मिनल स्टेशन से दोपहर 13:45 बजे प्रस्थान कर और बुधवार को सुबह 09:30 बजे जबलपुर स्टेशन पर पहुँच रही है।

जबलपुर-दानापुर-जबलपुर द्वि-साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन

गाड़ी संख्या 01701 जबलपुर-दानापुर द्वि-साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन आगामी 05.11.2025 तक* प्रत्येक बुधवार एवं शुक्रवार को रात 19:35 बजे जबलपुर से प्रस्थान कर और अगले दिन सुबह 08:45 बजे दानापुर स्टेशन पर पहुँच रही है।

गाड़ी सांख्य 01702 दानापुर-जबलपुर द्वि-साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन आगामी 06.11.2025 तक* प्रत्येक गुरुवार एवं शनिवार को सुबह 11:00 बजे दानापुर से रवाना होकर और अगले दिन भोर 04:15 बजे जबलपुर स्टेशन पर पहुँच रही है।

रानी कमलापति-दानापुर-रानी कमलापति द्वि-साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन

गाड़ी संख्या 01667 रानी कमलापति-दानापुर द्वि-साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन आगामी 11.11.2025 तक प्रत्येक शनिवार एवं मंगलवार को दोपहर 14:25 बजे रानी कमलापति से प्रस्थान कर और अगले दिन सुबह 08:45 बजे दानापुर स्टेशन पर पहुँच रही है।

गाड़ी संख्या 01668 दानापुर-रानी कमलापति द्वि-साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन आगामी 12.11.2025 तक प्रत्येक रविवार एवं बुधवार को सुबह 11:00 बजे दानापुर से प्रस्थान कर और अगले दिन सुबह 08:55 बजे रानी कमलापति स्टेशन पर पहुँच रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव बिजली बिल बकायादारों के लिए समाधान योजना का करेंगे शुभारंभ

जबलपुर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ऊर्जा विभाग द्वारा लागू की जा रही समाधान योजना 2025-26 का शुभारंभ 3 नवम्बर सोमवार को सुबह 10 बजे एमपी पॉवर मैनेजमेंट कम्पनी क्षेत्रीय कार्यालय ई-4, अरेरा कॉलोनी भोपाल से करेंगे। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि विलंबित बिल के भुगतान पर सरचार्ज में भारी छूट दी गयी है, जो 3 नवम्बर से 28 फरवरी, 2026 तक रहेगी। पहला चरण 3 नवम्बर से 31 दिसम्बर, जिसमें 60 प्रतिशत से 100 प्रतिशत सरचार्ज माफ रहेगा। दूसरा चरण एक जनवरी से 28 फरवरी, 2026 तक होगा, जिसमें 50 प्रतिशत से 90 प्रतिशत तक सरचार्ज माफ रहेगा। भुगतान विकल्प में एकमुश्त भुगतान पर अधिकतम छूट और 6 किश्तों में भुगतान की आसान सुविधा रहेगी।

रामपुर, गोरखपुर और आई.एस.बी.टी. से रानीताल तक हुई अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई

जबलपुर। नगर निगम, जिला एवं पुलिस प्रशासन के संयुक्त तत्वाधान में शांति और सद्भाव के साथ सड़कों से अतिक्रमणों को हटाने तथा लेफ्ट टर्न को अतिक्रमण मुक्त करने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। निगमायुक्त अहिरवार ने बताया कि रविवार को आई.एस.बी.टी. दीनदयाल चौक एवं उसके आस-पास के क्षेत्रों में अतिक्रमण हटाकर सड़क एवं लेफ्ट टर्न को अतिक्रमण मुक्त किया गया तथा यातायात व्यवस्था को सुगम बनाया गया।

इसी प्रकार रामपुर से गोरखपुर तक कार्रवाई की गयी और मार्ग के किनारे अवैध रूप से लगे ठेले टपरे को हटाने के साथ-साथ स्थाई एवं अस्थाई अतिक्रमणों को भी हटाया गया। अब यह कार्रवाई आगे भी

लगातार जारी रहेगी।

अतिक्रमण हटाओ अभियान के अंतर्गत विद्युत पोलों पर लगे फटे पुराने एवं अन्य बैनर पोस्टरों को भी हटाने की कार्रवाई की गयी। प्रशासन की इस कार्रवाई की नागरिकों ने सराहना की है। कार्रवाई के दौरान मौके पर अपर आयुक्त अरविन्द शाह, अतिक्रमण अधिकारी मनीष तड़से, सहायक अतिक्रमण अधिकारी अखिलेश भदौरिया, और दलप्रभारी लक्ष्मण कोरी, बृजकिशोर तिवारी, जे प्रवीण, अभिषेक समुद्रे, अंकित पारस, कुलदीप त्रिपाठी आदि उपस्थित रहे।

काम्बिंग गश्त में 229 वारंटी गिरफ्तार

चाकू लेकर घूमते चार आरोपी पकड़े गये

जबलपुर। कानून व्यवस्था को सुदृढरखने और अपराधियों पर नकेल कसने के लिये पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय के निर्देश पर शनिवार की रात 9 बजे से देर रात 2 बजे तक काम्बिंग गश्त की गई. इस दौरान 229 वारंटी पकड़े गये।

काम्बिंग गश्त के लिये शहर एवं देहात के थानों में पदस्थ लगभग सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों की टीमें बनाई गई. एक टीम के प्रभारी थाना प्रभारी स्वयं थे, अन्य टीम के प्रभारी उप निरीक्षक, सहायक उप निरीक्षक स्तर के अधिकारी थे।

टीमों के द्वारा दबिश देते हुए कॉम्बिंग गस्त के दौरान कई वर्षों से फरार 104 गैर म्यादी वारिटयों एवं 82 वारंटी गिरफ्तारी वारंट तामील किए गए तथा 38 जमानती वारंट भी

तामील किए गए है। अधिकांश आरोपी लंबे समय से पुलिस से बचते फिर रहे थे, जिन्हें गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

इसके साथ ही कांबिंग गस्त के दौरान सक्रिय गुंडे बदमाशों को चेक करते हुए देर रात आने जाने वालों से रोक-टोक पूछताछ एवं रेलवे स्टेशन तथा बस स्टैंड के साथ-साथ मुसाफिरखाना में संदिग्ध व्यक्तियों, वाहनों की चेकिंग की गई।

किसान सेवा सेना की कुंडम ब्लाक इकाई का गठन

जबलपुर। किसान सेवा संगठन की युवा विंग - किसान सेवा सेना के सदस्यो (कृषक सेवकों) की बघराजी में बैठक आयोजित हुई जिसमे कुंडम ब्लॉक की कार्यकारिणी का गठन किया गया. कार्यकारिणी में संरक्षक मदन पटेल, ब्लॉक अध्यक्ष मुकेश सिंह ठाकुर, उपाध्यक्ष मनोज पटेल, सचिव दशरथधर बड़गईया, मीडिया प्रभारी उमेश मेहरा एवं इंद्र कुमार सेन कार्यकारिणी सदस्य के रूप में अशोक जोगी, पंचम हल्दकार, कंधि सिंह उईके, संदीप साहू सहित अन्य किसान प्रतिनिधियों को मनोनीत किया गया। इस अवसर पर रामकिशन पटेल, जितेन्द्र देसी, सुरेश कुमार असाटी, मनोज धनगर उमेश कुमार बागड़ी, उमेश पटेल, अशोक पटेल, राजेश पटेल एवं अन्य किसान साथी ग्राम बघराजी में उपस्थित रहे।

दो सूने मकानों के ताले तोड़कर चोरी

दमोह नाका से एक लाख की सिगरेट ले गये चोर

जबलपुर।

जिले में पिछले 24 घंटों के दौरान चोरी की तीन वारदातें सामने आईं, पनागर में दो सूने घरों के ताले तोड़कर अज्ञात चोर सोने चांदी के जेवर और नगदी पार करके ले गये. इसी तरह गोहलपुर थाना अंतर्गत दमोह नाका से 1 लाख रुपये की सिगरेट की बोरी अज्ञात चोर उठा कर ले गये.

इलाज कराने गये परिवार का घर साफ

पनागर थानांतर्गत सिंग्लदीप निवासी किसान प्रिंस पटेल परिवार जनों के साथ आंख का इलाज कराने चित्रकूट गये थे. इस बीच उनके सूने घर का ताला तोड़कर आलमारी में रखे सोने का मंगलसूत्र, चांदी की पायल तथा नगदी 10 हजार रूपये तथा घर में रखे गेहू एवं उड़द, मूंग की दाल चोरी कर ले गये. चोरी गये माल की कीमत एक लाख रुपये बताई जा रही है. रिपोर्ट पर धारा 331(4), 305(ए) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

इसी तरह पनागर के विनोबा भावे वार्ड निवासी निखिल मिश्रा भोपाल में शिक्षक के पद पर पदस्थ हैं. उनके सूने घर का की देखरेख उनके ससुर प्रवीण मिश्रा और कर्मचारी सचिन ताम्रकार करता रहा. सचिन जब देखने गये तो घर का ताला टूटा मिला. नीचे सीसीटीव्ही कैमरा उखड़ा पड़ा था. आलमारी में रखा सामान एवं कुछ नगदी कुल कीमती लगभग 55 हजार रूपये के नहीं थे कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया है। रिपोर्ट पर धारा 331(4), 305(ए) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

एक लाख की सिगरेट चोरी

गोहलपुर थाना अंतर्गत दमोहनाका से एक लाख रुपये की सिग्रेट से भरी बोरी चोरी हो गई. शिवनगर निवासी ऋषि सिंघई की फर्म आरएस मार्केटिंग द्वारा राहुल चौरसिया को माल भेजे जाने के लिये एक सफेक बोरी में सिगरेट फोर स्क्वेर कृष, इंडिमिड का कार्टून बस क्रमांक एमपी 20 पीए 0587 शिवशक्ति जो जबलपुर से सिहोरा चलती है में रखने शाम लगभग 4 बजे गये थे.

उसने बस चालक को कार्टून से भरी बोरी खितौला में छोड़ने के लिये बता कर दुकान आ गये. इसी बीच पांच मिनट के अंदर बस चालक ने फोन पर सूचना दी की बोरी चोरी हो गई. बोरी में लगभग 95 हजार 395 रुपये की सिगरेट रखी थी. रिपोर्ट पर धारा 303(2) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

अनेक वर्षों से बंद है क्रिकेट प्रतियोगिता

सिहोरा खितौला में स्टेडियम होने के बाद भी खेल प्रतिभाओं को नहीं मिल रहा लाभ

हरिभूमि सिहोरा।

एक तरफ सरकार पारंपरिक खेलों एवं प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने का दावा कर रही है वहीं धरातल पर खिलाड़ियों के लिए कोई सुविधाएं नहीं मिल पा रहीं हैं। सिहोरा में खेल मैदान के नाम पर दो-दो स्टेडियम होने का नगर की पालक संस्था दावा करती है लेकिन इन तथाकथित स्टेडियम में सुविधाओं के नाम पर चाहर दीवारी में कैद भूखंड के अलावा कुछ नहीं है।

खिलाड़ियों को नहीं मिल रहा आगे बढ़ने का मौका

खेल मैदान के अभाव में खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का मौका नहीं मिल पा रहा है। छात्र- छात्रा सड़कों पर अभ्यास करके भी प्रदेश स्तर पर नगर का नाम गौरवान्वित कर रहे हैं। वही खेल मैदान नहीं होने से बहुत बार प्रतिभाशाली खिलाड़ी खेलों से पीछे हट जाते हैं। खेल मैदान का अभाव पिछले काफी सालों से ग्रामीण खिलाडियों के लिए विकट समस्या बना हुआ है। खेल मैदान को लेकर युवाओं ने अपने स्तर पर प्रयास जारी कर रखे हैं। लेकिन उनको कहीं सफलता हासिल होती दिखाई नहीं पड़ रही। खेल मैदान को लेकर समय-समय पर युवाओं ने आवाज उठाई और जनप्रतिनिधि व प्रशासनिक अधिकारियों से इसकी मांग की । लेकिन आज तक किसी प्रकार की कोई सुनवाई नही हुई।

अरुणाभ घोष मेमोरियल स्टेडियम

नगर के मध्य एवं प्रमुख शैक्षणिक संस्थाओं के निकट अरुणाभ घोष मेमोरियल स्टेडियम विगत कई वर्षों से अपने विस्तार की बाट जो रहा है उल्लेखनीय है आकार एवं क्षेत्रफल की दृष्टि से संकीर्ण होने के कारण स्टेडियम 26 जनवरी 15 अगस्त के सांस्कृतिक प्रोग्राम के आयोजन तक सीमित रह गया है। क्रिकेट प्रेमियों द्वारा स्थानीय जनप्रतिनिधियों सहित शासन प्रशासन के नुमाइंदों से अनेकों बार गुहार लगाने के बाद भी स्टेडियम की जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराकर विस्तारित नहीं किया जा सका। जबकि नगर की पालक संस्था के पास अरुणाभ घोस स्टेडियम के विस्तार का पूरा प्रारूप तैयार है। स्टेडियम के पीछे बसी बसाहट को अन्यत्र स्थानांतरित करने तत्कालीन विधायक नंदनी मरावी के समय बकायदा कब्जाधारियों के पट्टे भी तैयार कर लिए गए थे किंतु दृढ़ इच्छाशक्ति की कमी प्रतिभाओं पर भारी पड़ रही है।

बारी बहू स्टेडियम खितौला

नगर पालिका क्षेत्र के 7 वार्डों की आबादी सहित उपनगर खितौला का एकमात्र खेल मैदान बारी बहू स्टेडियम भी चारदीवारी में कैद होकर रह गया है। सुविधाओं के नाम पर गाजर घास का जंगल एवं पथरीली कंकड़ युक्त मैदान खिलाड़ियों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। जिसमें इस समय पानी भरा है। उल्लेखनीय है कि प्रदेश सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में भी सर्व सुविधा युक्त एवं आकर्षक स्टेडियम का निर्माण कराया गया है किंतु कुशल नेतृत्व के अभाव में तहसील स्तर की प्रतियोगिताओं हेतु नगर सर्व सुविधा युक्त स्टेडियम से आज भी वंचित है।

कई वर्षों से नहीं हो रहा क्रिकेट टूर्नामेंट

स्वर्गीय अरुणाभ घोस मेमोरियल स्टेडियम में होने वाला क्रिकेट टूर्नामेंट मैं जबलपुर जिले के अलावा आसपास के जिले की टीम भी हिस्सा लेकर अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन करती थी किंतु विगत कुछ वर्षों से मैदान के पीछे अवैध बसाहट के चलते क्रिकेट टूर्नामेंट नहीं हो पा रहा जिसके कारण खिलाड़ियों में गहरी हताशा व्याप्त है। इसके अलावा शैक्षणिक संस्थाओं की वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता के अलावा तहसील स्तरीय प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जाता था लेकिन स्टेडियम की कमी के चलते दुर्दशा की शिकार खेल मैदान में प्रतिभाओं को अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने में भारी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। क्रिडा.प्रेमियों ने मांग की है कि तथाकथित खेल मैदान के विस्तारीकरण मात्र से प्रतिभाओं को उचित सुविधा नहीं मिल सकेगी खेल गतिविधियां एवं खिलाड़ियों को बढ़ावा देने नगर में सर्व सुविधा युक्त स्टेडियम का निर्माण कराया जाए।

14 दिसम्बर को आयोजित होगा सामाजिक युवक-युवती परिचय सम्मेलन एवं सामूहिक आदर्श विवाह महासम्मेलन

संत शिरोमणि श्री नामदेव जी महाराज की 755वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई

जबलपुर। म. प्र. नामदेव क्षत्रिय एकता परिषद के तत्वावधान में संत शिरोमणि श्री नामदेव जी महाराज की 755वीं जयंती का भव्य आयोजन माढ़ोताल स्थित संत नामदेव मंदिर परिसर में संपन्न हुआ। प्रातः 11:30 बजे से प्रारंभ हुए इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजबंधु, महिलाएँ एवं बच्चे शामिल हुए।

कार्यक्रम का शुभारंभ संत नामदेव जी महाराज की पूजा-अर्चना एवं भव्य आरती के साथ किया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर में सुंदरकांड पाठ का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम उपरांत श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया। संस्था के प्रांतीय अध्यक्ष रामभरत नामदेव ने अपने उद्बोधन में संत नामदेव जी महाराज के जीवन एवं उनके चमत्कारों पर प्रकाश डाला। वहीं कार्यकारी प्रांतीय अध्यक्ष जे. पी. वर्मा ने जबलपुर में आगामी 14 दिसम्बर को आयोजित होने वाले युवक-युवती परिचय सम्मेलन एवं सामूहिक आदर्श विवाह महासम्मेलन की जानकारी समाजजनों को दी।

इस अवसर पर प्रांतीय अध्यक्ष रामभरत नामदेव, कार्यकारी प्रांतीय अध्यक्ष जे. पी. वर्मा, जिला अध्यक्ष रूपराम नामदेव, प्रांतीय महामंत्री रामप्रकाश नामदेव, जिला कोषाध्यक्ष शंभू प्रसाद नामदेव, प्रांतीय ऑडिटरअमित नामदेव सहित कैलाश नामदेव, अनिल नामदेव, राजेंद्र नामदेव, सचिन नामदेव एवं अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस पर आज़ाद बाग़ में शानदार मुशायरा संपन्न

जबलपुर। मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर शनिवार को गोहलपुर स्थित आज़ाद बाग़ में हमारा चमन और बज़्मे मरासिम के संयुक्त तत्वावधान में एक शानदार मुशायरे का आयोजन किया गया। मुशायरे की अध्यक्षता हाजी मज्जू कुरैशी ने एवं निजामत राशिद राही ने की। मुशायरे में शहर के नामचीन शायर बाबू अनवर निजामी, शेख निजामी, सिराज आगाजी, निसार अहमद निसार, मुख्तार नादिर और परवाज़ गजफरी ने अपने कलाम पेश किए। आयोजक हमारा चमन के शकील बाबू और शोएब अख्तर ने शहरवासियों शिरकत पर आभार व्यक्त किया।

नामदेव समाज ने श्रद्धा व उत्साह के साथ मनाई जयंती

पाटन। श्री विठ्ठलेश्वर नामदेव युवा विकास परिषद, पाटन के तत्वावधान में शनिवार, 1 नवम्बर को संत शिरोमणि श्री नामदेव महाराज की 755वीं जयंती श्रद्धा, उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ नगर में निकाली गई भव्य शोभायात्रा से हुआ। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में नामदेव समाज के वरिष्ठजन, महिलाएँ, युवा एवं बच्चे शामिल हुए। पूरे नगर में भक्ति के गीतों और जयघोषों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। शोभायात्रा के उपरांत भगवान सत्यनारायण की कथा व पूजन संपन्न हुआ। कथा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और भक्तिभाव से कथा श्रवण किया। शाम को भव्य महाआरती का आयोजन किया गया, जिसके पश्चात सभी श्रद्धालुओं को महाप्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठजनों ने संत नामदेव महाराज के जीवन एवं उपदेशों पर प्रकाश डालते हुए समाज में एकता, भक्ति और सेवा की भावना को आत्मसात करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में नगर एवं ग्रामीण क्षेत्र से बड़ी संख्या में समाजबंधु, महिलाएँ व युवा उपस्थित रहे और संत श्री नामदेव महाराज की जयंती बड़े धूमधाम से मनाई गई।

किसान को समय पर एमएसपी, खाद, बिजली व पानी मिलना मौलिक अधिकार : साईं रेड्डी

जबलपुर। किसान को समय पर एमएसपी, खाद, बिजली व पानी मिलना उसका मौलिक अधिकार है और इन व्यवस्थाओं को तय करने में जिनकी भूमिका है उनकी जिम्मेदारी है कि किसान को उसकी खेती करने की मौलिक आवश्यकताएं समय पर उपलब्ध कराई जाएं। उक्त विचार भारतीय किसान संघ के अखिल भारतीय अध्यक्ष के साईं रेड्डी ने अपने जबलपुर अल्प प्रवास के दौरान किसानों के बीच व्यक्त किए।

श्री रेड्डी ने कहा कि देश भर में केंद्र व राज्य सरकारों को समन्वय के साथ कार्य करने की जरूरत है जिससे किसानों व कृषि के हित सुरक्षित हो सकें। किसान हित भारतीय किसान संघ की जिम्मेदारी है और इसके लिए कितना भी बड़ा आंदोलन किसी भी सरकार के खिलाफ करना पड़ेगा तो किसान संघ तैयार है। श्री रेड्डी ने असमय बारिश से प्रभावित धान के खेतों का निरीक्षण किया और हर संभव मदद देने का आश्वासन दिया। प्रवास के दौरान तीनों तहसील पाटन, शहपुरा व पनागर के गांव गांव किसान संघ के अध्यक्ष का भव्य स्वागत व गौ पूजन कार्यक्रम किया गया। साथ ही किसान संघ के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भगवत पटेल जी के निवास जाकर सौजन्य भेंट की और पाटन के मेढ़ी गांव जाकर पचौरी परिवार में शोक संवेदना व्यक्त की।

किसान संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष के साईं रेड्डी के जबलपुर प्रवास से प्रशासनिक व खुफिया एजेंसीयां अलर्ट पर रही। केंद्रीय इंटेलीजेंस का तंत्र श्री रेड्डी के प्रवास के पल पल की जानकारीयां एकत्रित कर रहा था। तीन तहसीलों में अचानक प्रवास से हड़कंप हैं। किसान संघ के अध्यक्ष के प्रवास से यह तो साफ है कि किसान संघ कोई बड़ी तैयारी प्रदेश में कर रहा है।

किसान संघ के अध्यक्ष श्री रेड्डी ने बरोदा व नूनिया कला ग्राम समिति में किसानों से संवाद कार्यक्रम में पंच परिवर्तन का विषय रखते हुए कहा कि ग्राम, परिवार व समाज को सशक्त बनाने के लिए सामाजिक समरसता, नागरिक कर्तव्य, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण,

स्वदेशी को अपनाने की आवश्यकता है। ग्राम के सशक्त बने बिना देश मजबूत नहीं बन सकता है इसलिए गांव व किसान के विकास की दिशा में कदम बढ़ाना हम सबकी जिम्मेदारी है।

अध्यक्ष श्री रेड्डी ने स्वयं किसानों के बीच गांव पहुंचकर जता दिया कि ग्राम समिति ही किसान संघ की शक्ति का आधार है। किसानों से संवाद कर उन्होंने किसानों की समस्या चाहे वह पराली हो या एमएसपी या फिर खाद, बीज, बिजली या फिर भूमि अधिग्रहण, लैंड पुलिंग सभी पर खुलकर बात की और किसानों की राय व सुझाव जाने।

वृक्षारोपण का दिलाया संकल्प

नूनिया कला ग्राम समिति में वृक्षारोपण कार्यक्रम में श्री रेड्डी ने काजू का पौधा रोपित कर सभी ग्रामवासियों को पर्यावरण की रक्षा करने का संकल्प दिलाया। किसान की हर खेत की मेड़ पर पेड़ रोपित करने की बात कही।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर भारतीय एग्रो इकोनॉमिक रिसर्च सेंटर के अखिल भारतीय अध्यक्ष प्रमोद चौधरी, अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख राघवेन्द्र सिंह पटेल, प्रदेश उपाध्यक्ष ओमनारायण पचौरी, प्रांत महामंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, प्रांत उपाध्यक्ष मोहन तिवारी, प्रांत संगठन मंत्री तुलाराम, जिलाध्यक्ष रामदास पटेल, जिला मंत्री धनंजय पटेल, सह मंत्री सुनील पटेल, आलोक पटेल, संभागीय संगठन मंत्री पूरन लाल शर्मा, दामोदर पटेल, तहसील अध्यक्ष मुकुल पचौरी, जितेंद्र पटेल, धरम पटेल, रीतेश पटेल, भानु पटेल, पुष्पेंद्र पाठक, रवि नारायण पटेल, प्रकाश पटेल सहित सैकड़ों की संख्या में किसानों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

शीघ्र निपटाये जायें पेंशन प्रकरण

जबलपुर। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने बताया कि जबलपुर जिले में पेंशन कार्यालय में सेवा पुस्तिकाओं के अनुमोदन होने के पश्चात भी पेंशन अधिकारी एवं सहायक पेंशन अधिकारी द्वारा अनावश्यक पेंशन प्रकरण लटकाये जाते हैं तथा ऐन-केन-प्रकारेण प्रकरणों में आपत्ति लगाकर कर्मचारियों को आपत्ति का भय बताकर अनावश्यक मानसिक परेशान किया जाता है। प्रकरणों को समय-सीमा में ना निपटाना एवं अनावश्यक आपत्ति लगाना सीधे-सीधे पेंशन कार्यालय में भ्रष्टाचार का द्योतक है। भ्रष्टाचार यहीं तक सीमित नहीं है, पीपीओ जारी होने के बाद वेरिफेकशन के नाम पर संबंधित प्रभारी द्वारा भी पेंशनधारी से राशि वसूली जाती है, जो कि पूरी तरह से पेंशन अधिकारी के संज्ञान में है और उन्हीं के शह से यह खेल चल रहा है। सारी प्रक्रिया ऑनलाईन हो चुकी है फिर भी सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों को पेंशन कार्यालय के अनावश्यक चक्कर लगवाये जाते हैं, जिससे कर्मचारियों एवं सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों में रोष व्याप्त है। अतः कलेक्टर से संगठन मांग करता है कि मामले को दृष्टिगत रखते हुये पेंशन कार्यालय में चल रही अनियमितताओं पर रोक लगाते हुये पेंशन प्रकरणों का शीघ्र निपटाये जाने हेतु निर्देष जारी किये जायें। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन, हेमंत ठाकरे, राकेश श्रीवास, फिलिप अन्थोनी, राजेश सहारिया, मनमोहन चैधरी, रऊफ खान, एनोस विक्टर, सुरेन्द्र चैधरी, उमेष सिंह ठाकुर, संतोष चौरसिया, विनोद सिंह, राजकुमार यादव, सुधीर अवधिया, धनराज पिल्ले, अशोक कोष्टित, सुनील झारिया, मकसूद अहमद कादरी, गोपीषाह, रामकुमार कतिया, आशा राम झारिया, मनीष मिश्रा, सुधीर पावेल, राजेन्द्र सिंह, रामदयाल उईके, अफरोज खान, देवेन्द्र पटेल, रवि जैन नेत राम, नीरज मरावी, वीरेन्द्र श्रीवास, विनय रामजे, आषीष कोरी आदि ने कलेक्टर से मांग की है।

आर्य समाज का दीपावली मिलन उत्सव व भजन कार्यक्रम संपन्न

जबलपुर। आर्य समाज बाराट रोड में आए भजन उपदेश, प्रवचनकर्ता भानु प्रकाश शास्त्री और पुरोहित धीरेंद्र पांडे, सत्येंद्र शास्त्री और भजन गायक राकेश के प्रवचन के दौरान पुरोहित धीरेन्द्र शास्त्री द्वारा वेदों के मंत्र मंत्रणा के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। अपने-अपने प्रवचन एवं विचारों के संदर्भ में भानु प्रकाश शास्त्री ने भजन उपदेश देकर कहा कि सृष्टि के प्रारंभ से ही हमारे पूर्वज अपना जीवन वेद के अनुसार व्यतीत करते थे, इसलिए

इसका नाम आर्य हुआ, इसलिए ही हमारे पूर्वजों ने इस देश का नाम आर्यावर्त रखा। वेदों, शास्त्रों, रामायण, महाभारत और संस्कृति की सारी पुस्तकों में हमारे देश का नाम आर्यावर्त है, जब बात आर्य समाज की होती है तो हमारे मूल शंकर शंकराचार्य जी जिन्हें हम आज हम स्वामी दयानंद सरस्वती जी (आर्य समाज के संस्थापक) का नाम जानते हैं आपके गुरु स्वामी विरजानंद के पास और वेदों की कुंजी प्राप्त कर वे अपने गुरु के आदेश से उन्होंने वैदिक धर्म का प्रचार किया, अपना पूरा जीवन बलिदान कर दिया। वैदिक धर्म का प्रचार जिसमें वेदों ने संबंधित लोगों को आज्ञा दी है कि तुम सारे संसार को आर्य बनाओ जिसका अर्थ नेक पवित्र और धर्मात्मा वह जो ईश्वरीय ज्ञान वेदों के अनुकूल चलन में है, क्योंकि आर्य समाज वेदों का प्रचारक है। वेद ईश्वरी ज्ञान ईश्वर एक देश का नहीं बल्कि सर्व संसार का है इसलिए आर्य समाज किसी एक देश का नहीं है ये सर्व दुनिया का है एक देश जिस प्रकार से इंग्लिश टैन इंग्लिशटन स्थान पर राज करने का अधिकार इंग्लैंड के लोगों का है, चीन पर राज करने का अधिकार चीनियों का है, इसी प्रकार से भारत पर राज करने का अधिकार भारतीयों का है, यही आर्य समाज सिद्धांत पर कार्य करता है। भजनों से भी भानु प्रसाद शास्त्री ने लोगों का मन मोह लिया। सत्येंद्र शास्त्री द्वारा भजन गाए गए। साथ ही राकेश द्वारा भी भजन गाए गए। संस्था के प्रधान सोमेंद्र महेश्वरी, महिला समाज प्रधान डॉक्टर अरुण सिंह और समाज के वरिष्ठ नरेंद्र धमीजा, वीरेंद्र धमीजा और मंत्री पीयूष शर्मा, उमेश सिंह सिंह, अरविंद माहेश्वरी, मीडिया प्रभारी पंचम झा का विशेष योगदान रहा।

हाईकोर्ट ने पुलिस अधीक्षक व थाना प्रभारी रांझी को किया तलब

जबलपुर। गत वर्ष न्यू शोभापुर तिराहा पर स्थित बाल स्वरूप श्री हनुमान मंदिर में चोरी का मामला पुनः जीवित हो गया है, जिसमें याचिकाकर्ता लता कुशवाहा, किरण तिवारी, सरिता नारायण यादव, जितेन्द्र बंटी रजक, आशीष शर्मा, एनएल रावत ने आरोप लगाया है कि थाना प्रभारी रांझी ने चोरों को बचाने मनगढ़ंत कहानी के जरिये अधिनस्थ न्यायालय में गलत जानकारी पेश की थी, साथ ही सीसी टीवी फुटेज छिपाने का प्रयास किया था, जबकि फुटेज मान. न्यायालय में पहुंच चुकी है एवं समस्त आरोपी जिन्होंने उक्त चोरी को अंजाम दिया था, इनकी फुटेज भी याचिकाकर्ताओं द्वारा मान. न्यायालय में पेश की जा चुकी है, जिसे देखने-सुनने के बाद मान. हाईकोर्ट ने आज पुलिस अधीक्षक जबलपुर व थाना प्रभारी रांझी को नोटिस जारी करते हुए जवाब हेतु चार सप्ताह का समय दिया है। समाचार के बाद शोभापुर निवासियों के भक्तजनों में काफी प्रसन्नता है। अब न्याय की उम्मीद दिख रही है, जल्द ही दोषी सलाखों के अंदर होंगे। मामले की पैरवी वरिष्ठ अधिवक्ता विद्याशंकर मिश्रा, राघवेन्द्र झा, अनिकेश मिश्रा, नवीन विश्वकर्मा ने की।

श्री राम नरेश शाह- नर्मदा नगर पोलीपाथर निवासी श्री राम नरेश शाह (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती ममता शर्मा- द्वारका नगर कछियाना निवासी श्री सोनू शर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती ममता शर्मा (41) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री सिद्धार्थ लोखंडे- पंचशील नगर पोलीपाथर गौरीघाट रोड निवासी श्री सिद्धार्थ लोखंडे (67) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री आदेश श्रीवास्तव- जयप्रकाश नगर अधारताल निवासी श्री आदेश श्रीवसतव (56) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती मीना कुमारी रैकवार- नानक नगर मानेगांव रांझी निवासी श्री प्रदीप कुमार रैकवार की धर्मपत्नी श्रीमती मीना कुमारी रैकवार (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती गीता बाई- शक्तिनगर बदनपुर निवासी श्री रमेश की धर्मपत्नी श्रीमती गीता बाई (54) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती मुन्नी बाई विश्वकर्मा- मदर टेरेसा नगर शंकर नगर करमेता निवासी श्री शंकर विश्वकर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती मुन्नी बाई विश्वकर्मा (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती कला बाई चौधरी- भानतलैया चौधरी मोहल्ला निवासी श्री बाबू लाल चौधरी की धर्मपत्नी श्रीमती कला बाई चौधरी (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री निशा पटेल- अग्रवाल कॉलोनी गढ़ा रोड निवासी श्री राजेंद्र कुमार पटेल की धर्मपत्नी श्रीमती निशा पटेल (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री गयादीन साहू- सिद्धबाबा वार्ड साहू मोहल्ला निवासी श्री गयादीन साहू (63) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री बीएन सेठ- कृषि नगर अधारताल निवासी श्री बीएन सेठ (78) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती मंजूलता राय- झिन्ना मोहल्ला राधाकृष्णन वार्ड निवसी श्री केशव प्रसाद राय की धर्मपत्नी श्रीमती मंजू लता राय (44) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार

करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती प्रभा लोधी- समदडिया कॉलोनी कांचघर निवासी श्री बद्री प्रसाद लोधी की धर्मपत्नी श्रीमती प्रभा लोधी (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री प्रहलाद कुमार किरार- खटीक मोहल्ला सराफा निवासी माध्यमिक शिक्षक संघ के संरक्षकश्री प्रहलाद कुमार किरार (79) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती शहजादी मौर्य- कांचघर चौक निवासी श्री शिवधनी मौर्य की धर्मपत्नी श्रीमती शहजादी मौर्य (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सुहागरानी नामदेव- खलासी लाइन छोटी ओमती निवासी श्री लक्ष्मण प्रसाद नामदेव की धर्मपत्नी श्रीमती सुहागरानी नामदेव (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती छोटी बाई अहिरवार- बाबा टोला राधाकृष्णन वार्ड निवासी श्री नाथूराम अहिरवार की धर्मपत्नी श्रीमती छोटी बाई अहिरवार (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

चमगादड़ों ने फिर फैलाया आतंक, ब्राजील में मिला कोविड-19 जैसा नया वायरस

ब्रासीलिया। जापान, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और बेल्जियम के वैज्ञानिकों की एक अंतर्राष्ट्रीय टीम ने ब्राजील में मूंछों वाले चमगादड़ की एक प्रजाति में कोविड-19 जैसा एक नया वायरस खोजा है। इससे यह डर पैदा हो गया है कि यह वायरस इंसानों में फैल सकता है और एक नई बीमारी को जन्म दे सकता है। चमगादड़ कई वायरस के प्राकृतिक भंडार होते हैं, जिनमें बेटाकोरोनाविरस भी शामिल हैं जैसे गंभीर तीव्र श्वसन सिंड्रोम कोरोनावायरस 2, जिससे कोविड-19 हुआ और मध्य पूर्व श्वसन सिंड्रोम वायरस।

क्या है इसका खतरा : शोधकर्ताओं ने पाया कि यह नया वायरस इंसानों को संक्रमित करने वाले सीएआरएस-कोविड-2 से सिर्फ एक अमीनो एसिड के अंतर के साथ एक सक्रिय फ्यूरिन क्लीवेज साइट रखता है। यह साइट सीएआरएस-कोविड-2 और इबोला जैसे खतरनाक वायरसों में पाई जाती है और यह तय करती है कि वायरस कितना संक्रामक होगा और एक प्रजाति से दूसरी प्रजाति में फैल सकता है या नहीं।

क्या है वायरस की पहचान?

ओसाका और सिडनी यूनिवर्सिटी की टीम ने पटेरोनोटस पारनेली नामक छोटे कीटभक्षी चमगादड़ में इस वायरस का पता लगाया। इस चमगादड़ के चेहरे पर छोटे-छोटे बालों के गुच्छे होते हैं। इस नए वायरस का नाम बीआरजेड बीएटी कोविड रखा गया है। वैज्ञानिकों ने एक ऐसे पेपर में यह जानकारी दी है।

वैज्ञानिकों की इस पर क्या राय है?

वैज्ञानिकों ने यह भी पाया कि बीआरजेड बीएटी सीओवी वायरस कोविड से मिलता-जुलता नहीं है, बल्कि यह ऊंट फ्लू वायरस से ज्यादा करीब है। एमईआरएस कोविड से कम फैलता है, लेकिन बहुत ज्यादा घातक है। वैज्ञानिकों ने कहा कि इस बात का कोई सबूत नहीं है कि बीआरजेड बीएटी सीओवी इंसानों को संक्रमित करता है या चमगादड़ की आबादी से आगे फैल गया है। लेकिन, यह खोज बीआरजेड बीएटी सीओवी की विकास क्षमता और इससे इंसानों को होने वाले खतरेके बारे में महत्वपूर्ण जानकारी देती है।

इस देश में बिना दुकानदार के चलती हैं दुकानें, नहीं रहता एक भी स्टाफ

ओस्लो। नॉर्वे में एक अनोखी शॉपिंग क्रांति हो रही है। यहां बिना किसी स्टाफ के दुकानें 24/7 खुली रहती हैं। टूरिस्ट ने देखा कि क्रेडिट कार्ड स्वाइप या क्यू कोड स्कैन कर दरवाजा खुलता है। अंदर जाकर सामान चुनें, सेल्फ-चेकआउट पर स्कैन करें, ऐप या कार्ड से पेमेंट करें। फिर दरवाजा ऑटोमैटिक खुल जाता है। दुकानों में एआई, कैमरा और आरएफआईडी से चोरी रोकी जाती है। यह सिस्टम ग्रामीण इलाकों और रात में सुविधा देता है। बिना किसी स्टाफ के ऑपरेट होने वाली इन दुकानों में आप खुद अंदर जाकर शॉपिंग कर सकते हैं। आपको अपने क्रेडिट कार्ड से स्टोर का दरवाजा खोलना पड़ता है। इसके बाद आप स्टोर के अंदर जाकर सामान खरीद सकते हैं। सामान को स्कैन कर सकते हैं और बिल पे कर सकते हैं। इसके बाद स्टोर का दरवाजा खुल जाएगा और आप बाहर जा सकते हैं। पढ़ने में ऐसा लग रहा होगा जैसे ये कोई काल्पनिक दुनिया की कहानी है। लेकिन, यह कोई कल्पना नहीं, बल्कि नॉर्वे की हकीकत है। यहां अनमैन्ड स्टोर्स एक आम बात बन चुकी हैं, जो टेक्नोलॉजी के दम पर 24/7 खुली रहती हैं।

यूं करें शॉपिंग

एक बार आप स्टोर के अंदर चले गए, उसके बाद ग्राहक सामान चुनते हैं। फिर सेल्फ-चेकआउट मशीन पर बारकोड स्कैन करते हैं। पेमेंट ऐप या कार्ड से होता है। अगर कुछ स्कैन ना किया हो, तो अलर्ट बज जाता है। बाहर निकलते वक्त फिर क्यूआर कोड या कार्ड वैरिफाई करना पड़ता है। यह सिस्टम चोरी रोकने के लिए हाई-टेक है। कैमरे, एआई अल्गोरिदम और रेफिड टैग्स हर मूवमेंट ट्रैक करते हैं। नॉर्डिक आईडी जैसी कंपनियां रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन रीडर्स इस्तेमाल करती हैं, जो सामान को ऑटोमैटिक पहचानते हैं। अगर कोई सामान बिना पेमेंट के ले जाए, तो सेंट्रल सिक्योरिटी डेस्क को अलर्ट चला जाता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, चोरी की दर पारंपरिक दुकानों से 50% कम है।

अंतरिक्ष में जल्द दिखेगा सुपरमून का दिलचस्प नजारा, धरती के सबसे करीब आ रहा चांद

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

खगोलविज्ञानियों और अंतरिक्ष में दिलचस्पी रखने वालों को जल्द ही बेहद शानदार नजारे का दीदार होने वाला है। 5 नवम्बर बुधवार को आसमान में चांद थोड़ा और बड़ा और चमकीला दिखाई देगा। ऐसा सुपरमून की वजह से हो रहा है। सुपरमून तब होता है जब पूर्णिमा का चांद अपनी कक्षा में पृथ्वी के सबसे ज्यादा नजदीक होता है। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा का कहना है कि इस वजह से चांद साल के सबसे धुंधले चांद की तुलना में 30% ज्यादा चमकीला और 14% बड़ा दिखाई देता है।

दरअसल, चंद्रमा पृथ्वी चक्कर लगाता है लेकिन यह कक्षा पूर्ण वृत्ताकार नहीं है। इसलिए जैसे-जैसे यह परिक्रमा करता है, नजदीक और दूर होता जाता है। 5 नवम्बर को होने वाला सुपरमून इस साल के तीन सुपरमून में से दूसरा और सबसे नजदीकी है। इस दौरान चांद पृथ्वी से लगभग 357000 किलोमीटर की दूरी पर होगा।

समुद्र में उठ सकता है ज्वार

लोवेल ऑब्जर्वेटरी के खगोलशास्त्री लॉरेंस वासरमैन का कहना है कि सुपरमून के दौरान समुद्र में ज्वार थोड़ा ज्यादा हो सकता है, क्योंकि चांद पृथ्वी के ज्यादा नजदीक होगा। हालांकि, यह अंतर ज्यादा दिखाई नहीं देगा। अगर आसमान साफ हो तो सुपरमून देखने के लिए किसी विशेष उपकरण की जरूरत नहीं होती।

कैसे दिखाई देगा सुपरमून?

अगर आसमान साफ हो तो सुपरमून देखने के लिए किसी विशेष उपकरण की जरूरत नहीं होती। हालांकि, चंद्रमा के आकार में परिवर्तन को नंगी आंखों से देख पाना कठिन हो सकता है। खगोल विज्ञानियों का कहना है कि यह अंतर अन्य तस्वीरों या अवलोकनों की तुलना में सबसे साफ होता है। सुपरमून शब्द पहली बार 1979 में खगोलशास्त्री रिचर्ड नोले ने इस पूर्ण चंद्रमा के लिए इस्तेमाल किया था, जो साफ तौर पर बड़े और चमकीले दिखाई देते हैं। नवम्बर का बीवर मून इस साल पृथ्वी का सबसे निकटतम पूर्ण चंद्रमा होगा, इसलिए यह सबसे चमकीला होगा और सबसे बड़ा दिखाई देगा।

पाकिस्तानी एस्ट्रोनॉट स्पेस में भेजेगा चीन

बीजिंग। चीन की स्पेस एजेंसी ने कहा है कि वो पाकिस्तान दो अंतरिक्ष यात्रियों को ट्रेनिंग देगी और इनमें से एक यात्री को अपने स्पेश स्टेशन तियांगगोंग पर भी भेजेगा, जो वहां पर पाकिस्तान के लिए कुछ रिसर्च कार्य करेगा। चीन-पाकिस्तान दोनों अंतरिक्ष के क्षेत्र में एक-दूसरे सहयोगी हैं। यही कारण है कि यह पहली बार होगा जब कोई गैर चीनी एस्ट्रोनॉट चीन के स्पेस स्टेशन पर जाएगा। चीन ने अपना स्पेश स्टेशन 2022 के आखिर में पूरी तरह शुरू कर दिया था। इसका नाम 'तियांगोंग' रखा है, जिसका अर्थ 'स्वर्ग का महल' है। तियांगोंग जमीन से लगभग 400 किलोमीटर ऊपर है और अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन की तरह ही वैज्ञानिक रिसर्च के लिए प्रयोगशाला का काम करता है, जहां चीनी अंतरिक्ष यात्री लगातार रहते हैं।

पाकिस्तान में नमीरा सलीम को पहला अंतरिक्ष यात्री माना जाता है। हालांकि, नमीरा किसी मिशन के लिए स्पेस में नहीं गई हैं, बल्कि वो सिर्फ सैर करने के लिए अंतरिक्ष में गई थीं।

आम लोगों को अंतरिक्ष की सैर कराने वाली कंपनी वर्जिन गैलेक्टिक की सदस्य रही हैं। वो एक लंबे समय से स्पेस टूरिज्म में काम कर रही हैं। कराची में पैदा होने वाली नमीरा लाखों आवेदकों में से चुनी गईं थीं ताकि वे वर्जिन गैलेक्टिक की अंतरिक्ष यात्रा में हिस्सा ले सकें।

माउंट एवरेस्ट छलांग लगा चुकी हैं नमीरा

नमीरा सलीम माउंट एवरेस्ट पर स्काईडाइव करने वाली एशिया की पहली महिला भी हैं। उन्होंने यह कारनामा 2008 में माउंट एवरेस्ट पर पहली स्काईडाइव्स टीम के साथ किया था।

11 साल की पूजा बनी मुनकी की मां, चार महीने तक पाला हिरण का बच्चा

जयपुर। जैसलमेर जिले के लाठी क्षेत्र के सनावड़ा गांव में 11 साल की बच्ची पूजा ने ऐसा काम किया है, जिसने पूरे क्षेत्र को भावुक कर दिया। पूजा ने चार महीने पहले एक बेसहारा हिरण के बच्चे को गोद लिया, उसे अपने हाथों से पाला और उसकी देखभाल उसी स्नेह से की जैसे कोई मां अपने बच्चे की करती है। उस मासूम हिरण का नाम उसने प्यार से 'मुनकी' रखा।

दर्द से शुरू हुई ममता की यह कहानी

यह कहानी जून महीने की एक दोपहर की है, जब गांव के पास के खेतों में कुछ आवारा कुत्तों ने एक मादा हिरण पर हमला कर दिया। जब ग्रामीण मौके पर पहुंचे, तब तक हिरण की मौत हो चुकी थी। पास में एक छोटा-सा हिरण का बच्चा छिपा हुआ मिला, जो भयभीत और बेसहारा था। उसी समय पूजा अपने पिता भगवान सिंह के साथ वहीं मौजूद थी। उसने अपने पिता से कहा कि पापा, इसे घर ले चलते हैं, नहीं तो यह भी मर जाएगी। बेटी की संवेदना देखकर पिता का दिल पिघल गया और वे हिरण के बच्चे को घर ले आए। इसी पल से शुरू हुई इंसान और वन्यजीव के बीच की एक अनोखी और भावनात्मक कहानी।

मुनकी को बना लिया परिवार का हिस्सा

घर लाने के बाद पूजा ने मुनकी को गाय और बकरी का दूध पिलाना शुरू किया। वह हर सुबह सबसे पहले मुनकी की देखभाल करती, उसे नहलाती, खिलाती और गोद में सुलाती थी। पूजा और मुनकी के बीच ऐसा गहरा रिश्ता बन गया कि अगर पूजा कुछ देर के लिए दूर चली जाती, तो मुनकी बेचैन हो जाती और खाना नहीं खाती। परिवार के लोगों का कहना है कि मुनकी ने पूजा को अपनी मां मान लिया था।

विदाई के वक्त छलक उठे आंसू

चार महीने तक पूजा ने मुनकी की देखभाल की। जब वह मजबूत और स्वतंत्र हो गई, तो वन विभाग ने उसे जंगल में लौटाने का निर्णय लिया। वनपाल कमलेश कुमार और वन्यजीव प्रेमी धर्मेंद्र पूनिया टीम के साथ गांव पहुंचे और पूजा को समझाया कि अब मुनकी को अपने असली घर यानी जंगल में रहना चाहिए। जब हिरण को ले जाने का समय आया, तो पूजा ने उसे गले लगाकर विदा किया और उसकी आंखों से आंसू बह निकले। पूरा गांव इस भावनात्मक दृश्य को देखकर भावुक हो उठा। पूजा ने कहा कि अब वो बड़ी हो गई है, अपने घर लौट गई है, लेकिन वो हमेशा मेरे दिल में रहेगी।

पूजा का वन अधिकारी बनने का सपना

वनपाल कमलेश कुमार ने इस घटना को वन्यजीव संरक्षण की मिसाल बताया। उन्होंने कहा कि पूजा और मुनकी की कहानी यह साबित करती है कि ममता की कोई सीमा नहीं होती। वन्यजीव प्रेमी धर्मेंद्र पूनिया ने पूजा को सम्मानित किया और 500 रुपये का प्रोत्साहन पुरस्कार दिया। अब पूजा का सपना है कि वह बड़ी होकर वन अधिकारी बने। वह कहती है कि मुनकी अब जंगल में खुश है। मैं बड़ी होकर उन सबकी रक्षा करूंगी जो बोल नहीं सकते।

महासागर में टिक-टिक करता 'टाइम बम'! फटा तो बदल देगा दुनिया का मौसम

लंदन। अंटार्कटिक महासागर इंसानों द्वारा फैलाई जा रही गर्मी और कार्बन को अपने अंदर स्टोर करके बैठा है। वैज्ञानिक चिंता जता रहे हैं कि कभी भी ये महासागर इंसानी डकार की तरह सारी गर्मी उगल सकता है। ऐसे में क्लाइमेट रिकवरी शुरू होने के राहत की सांस जल्दी नहीं मिलेगी। महासागर धरती को बचाने में ढाल बनकर खड़े होते हैं, इनकी प्रक्रिया धीमी पर प्रभावशाली होती है। दक्षिणी महासागर की बात करे तो ये पिछले सौ सालों से धरती को हीरो की तरह बचा रहा है। लेकिन, अब वैज्ञानिक चिंता जता रहे हैं कि जैसे ज्यादा खाना खा लेने पर उल्टी या डकार आती है और गैस निकल जाती है, जिससे पेट को आराम मिल जाता है। ठीक वैसे ही कार्बन और गर्मी से समंदर का पेट आग का गोला बन चुका है और अब इस बात का डर है कि समंदर डकार लेकर ये सारी गर्मी एक झटके में ना छोड़ दे। ऐसा हुआ तो आने वाले 100 सालों तक इसका प्रभाव रहेगा।

समुद्र में गर्मी नीचे की और जा रही है।

धरती पर मौसम और हवा के साथ-साथ वातावरण को बदलने में ज्यादा देर नहीं लगती है। जैसे आज तेज धूप पड़ रही है पसीने आ रहे हैं तो जरूरी नहीं की कल भी गर्मी ही होगी। ऐसा भी हो सकता है कि कल को आपको रजाई लेनी पड़ जाए। लेकिन, समुद्र के नीचे की दुनिया बिल्कुल अलग है, वहां इतनी जल्दी कुछ नहीं होता है। समंदर की दुनिया बहुत बड़ी, लेकिन धीमी होती है। इसमें बदलाव बड़े होते हैं जो देर से होते हैं और देर तक रहते हैं। समुद्र में गर्मी नीचे की और जा रही है। खासतौर से दक्षिणी सागर की बात करें तो यहां की धाराएं बदल चुकी हैं। पहले से ठंडी हवाएं ऊपर की ओर आती थी, लेकिन हम गर्मी नीचे की तरफ जा रही है और समंदर के नीचे लगातार एक बड़ा गर्मी का गुबार बन रहा है जो कि चिंता का विषय है।

ग्लोबल साउथ

मॉडल के हिसाब से ये बीयूआरपी पूरी विश्व पर बराबर असर नहीं करेगा, लेकिन अपने आस-पास के क्षेत्र को बुरी तरह प्रभावित कर सकता है। ये मुख्यत दक्षिणी गोलार्ध पर ज्यादा प्रभावी होगा। यहां के ज्यादातर क्षेत्रों में पहले से ही सूखा, तूफान और खाने का संकट मंडराया हुआ है। ऐसे में यदि इस इलाके में तापमान बढ़ता है तो इसके परिणाम घातक हो सकते हैं। इस क्लाइमेट की जंग में ग्लोबल साउथ सबसे आगे खड़ा है और सबसे ज्यादा प्रभाव भी इसी इलाके पर पड़ने वाला है।

क्लाइमेट चेंज

क्लाइमेट को लेकर दुनिया यही सोचती है कि इंसान जितना कम कार्बन फैलाएगा, धरती उतनी ही ठंडी रहेगी। लेकिन, इस सोच और इसके परिणामों के बीच महासागर खड़े हैं। यही कारण है कि प्लान देर से असर दिखाएंगे। आज के कदम दशकों बाद नजर आने शुरू होंगे। ये सिर्फ एक टार्गेट नहीं बल्कि लंबी प्रक्रिया है।

कार्बन

इंसान गर्मी पैदा कर रहे हैं और महासागर अपने अंदर उस गर्मी को लॉक कर रहा है। दरअसल, जर्मनी के साइंटिस्ट्स ने एक मॉडल बनाया। इस मॉडल में समुद्र की गहराई, समुद्र की बर्फ, बारिश, हवा की गर्मी और नमी के साथ पेड़ों की भूमिका को भी दर्शाया गया है। इस मॉडल के जरीये सोचा गया है या कल्पना की गई है कि यदि मानव लगभग आगे के 70 साल और प्रदूषण फैलाता रहेगा और कार्बन दोगुना हो जाएगा तो एक दिन पूरी दुनिया जाग जाएगी जब अचानक से फॉलिस फ्यूल में भारी कमी आ जाएगी। इसके अलावा तापमान धीरे धीरे कम होने लगेगा।

समंदर लेगा डकार

जर्मनी के साइंटिस्ट्स ने जिस मॉडल को बनाया है , इस मॉडल के हिसाब से जब समंदर डकार लेकर सारी गर्म बाहर निकाल देगा तो धरती पर तेजी से तापमान बढ़ जाएगा। इसका असर औद्योगिक काल जितना खतरनाक भी हो सकता है, इतना ही नहीं इस गर्मी का असर 100 साल से भी ज्यादा रह सकता है।

क्या चींटियां बना सकती हैं दही? वैज्ञानिकों ने खोला राज

कोपेनहेगन। हम भारतीयों को दूध से दही जमाने की कला किसी से सीखने की जरूरत नहीं। घर में अगर थोड़ा दही बच जाए, तो अगली सुबह वही नए दही के लिए जामन बन जाता है। लेकिन, क्या आप जानते हैं, सिर्फ भारत ही नहीं, दुनिया के कई हिस्सों में दही तैयार करने के अपने-अपने अनोखे पारंपरिक तरीके हैं? कहीं मिट्टी के बर्तन का इस्तेमाल होता है, तो कहीं नीम की पत्ती या मिर्च डालकर दूध जमाया जाता है। पर आज हम जिस तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं, उसे सुनकर आप सचमुच हैरान रह जाएंगे। क्योंकि, इसमें दूध को दही बनाने के लिए किया जाता है चींटियों का इस्तेमाल! क्या आपने कभी सोचा है कि सिर्फ चार चींटियां डालकर दूध को दही में बदला जा सकता है? सुनने में अजीब जरूर लग रह होगा, लेकिन यह सच है! हाल ही में डेनमार्क की कोपेनहेगन यूनिवर्सिटी और टेक्निकल यूनिवर्सिटी ऑफ डेनमार्क के शोधकर्ताओं ने इस अनोखी परंपरा की सच्चाई सामने रखी है। यह तरीका तुर्की और बाल्कन देशों (अल्बानिया, बोस्निया और हर्जेगोविना, बुल्गारिया, क्रोएशिया, कोसोवो, मोंटेनेग्रो, उत्तरी मैसेडोनिया, रोमानिया, सर्बिया और स्लोवेनिया) में सदियों से इस्तेमाल होता आ रहा है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के अनुसार, वैज्ञानिकों ने इस प्रयोग को समझने के लिए बुल्गारिया यात्रा की, जहां उनकी टीम की एक सदस्य का पैतृक गांव है। वहां के स्थानीय लोगों ने बताया कि उनके यहां दही बनाने का पुराना तरीका है, गर्म दूध में चार चींटियां डालो और बर्तन को रातभर चींटी के बिल के पास रख दो! शोधकर्ताओं ने भी गांव वालों के कहने पर यही किया। उन्होंने एक जार में गर्म दूध लिया और उसमें चार चींटियां डालीं। फिर उसे रातभर एक चींटी के बिल में रखा दिया। सुबह जब उन्होंने देखा, तो दूध गाढ़ा और खट्टा हो चुका था बिलकुल दही जैसा।

वैज्ञानिकों ने बताया कि यह प्रक्रिया कैसे काम करती है

चींटियों के शरीर में लैक्टिक एसिड और एसिटिक एसिड बैक्टीरिया पाए जाते हैं। यही बैक्टीरिया दूध को फाड़ने और जमाने का काम करते हैं। यह वही प्रकार के सूक्ष्म जीव हैं जो बाजार में बिकने वाले बेड में भी मिलते हैं। इसके अलावा, चींटियों के शरीर में नेचुरल एसिडिक तत्व होते हैं, जो दूध का पीएस कम करते हैं, जिससे दही बनाने के लिए सही माहौल बनता है। शोधकर्ताओं के अनुसार, ताजी और जीवित चींटियों से सबसे अच्छे नतीजे मिले। वहीं, फ्रोजन या सूखी चींटियों से दूध नहीं जम पाया।

यह प्रयोग घर पर करने की कोशिश न करें!

वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि चींटियां पैरासाइट या हानिकारक बैक्टीरिया भी ला सकती हैं। इसलिए, इसे घर पर न आजमाएं। इस दिलचस्प खोज से प्रेरित होकर, डेनमार्क के मशहूर रेस्तरां के शेफ्स ने भी चींटी दही से कई नई डिशें तैयार कीं जैसे एक खास कॉकटेल और एंट-विच नाम की योगर्ट आइसक्रीम सैंडविच।

गुरुनानक देव का विश्व बंधुत्व का संदेश देते निकला नगर कीर्तन जुलूस

जुलूस पथ पर गूंजी गुरुनानक की ईश्वरीय गुरुवाणी

जबलपुर। नगर के ख्यात बैंड दल जोशीले अंदाज में गुरुनानक देव की इलाही गुरुवाणी नानक नाम जहाज है, चढ़े सो उतरे पार, जो श्रद्धा कर सिमदे गुरु पार उतारनहार जैसी मनमोहक धुन गुंजा रहे थे तो दूसरी तरफ श्रद्धालुओं के कीर्तन जत्थों में शामिल आबाल वृद्ध नर नारी, सतगुरू नानक परगटिया, मिटी धुंध जग चानन होआ जैसी यश अर्चन से भरपूर गुरुवाणी का आत्म मुग्ध गायन करते हुए दृष्टव्य थे। यह अनूठा अवसर था नगर कीर्तन का ।

अपनी पद यात्राओं से इंसानी भाईचारा, विश्व बंधुत्व, समरसता, और विश्व शांति का इलाही पैगाम देकर समग्र विश्व में भारतीय अध्यात्म की अलख जगाने वाले जगतगुरू नानक देव जी के 556 वें प्रकाशोत्सव गुरुपर्व के अवसर पर आज नगर के सिख समाज द्वारा सामूहिक तौर पर सिविक सेंटर स्थित माता गुजरी महाविद्यालय मैदान से बहुरंगी, भव्य और प्रेरक नगर कीर्तन निकाला गया। नगर के प्रमुख मार्गों का भ्रमण करता हुआ यह नगर कीर्तन जब गुरुनानकस्थली गुरुद्वारा मढ़ाताल में संपन्न हुआ तब उपस्थित श्रद्धालुओं ने मुक्ताकाश से पुष्प वर्षा कर जोरदार अभिनन्दन किया और कीर्तन दरबार के साथ ही गुरु का लंगर लगाकर कार सेवा भी की। नगर कीर्तन में मुख्य आकर्षण का केंद्र, स्वर्णिम आभा से युक्त पुष्प सज्जित आकर्षक स्वर्णरथ रहा जहां कलात्मक काष्ठ पालकी में स्थापित शब्दावतार साहिब श्री गुरुग्रंथसाहिब जी का पवित्र प्रकाश किया गया था। इनके समक्ष श्रद्धालुगण मिष्ठान और बताशे के थाल के साथ पुष्पांजलि अर्पित कर माथा टेक कर आशीर्वाद ग्रहण कर रहे थे। पंथ के पंज प्यारों की अगुआई में समस्त गुरुद्वारों के शबद कीर्तन करते स्त्री पुरुषों के समूह और बैंड दल फिजा को पूर्णतः भक्तिमय बना रहे थे। गुरु गोबिंद सिंह विद्यालय, कैंट खालसा,गुरु रामदास महाविद्यालय, हरि सिंह कला एवं वाणिज्य महा विद्यालय एवं माता गुजरी महिला महाविद्यालय आदि के छात्रगण, एन सी सी दल, गतका दल,बाल पंज प्यारे के साथ ही बड़ी संख्या में गुरुनानक वाणी के सर्व धर्म समभाव से ओतप्रोत बैनर झंडे और गुरुनानक लीला को प्रदर्शित करतीं झांकियां लेकर चल रहे थे। विभिन्न व्यापारी संघों और समितियों द्वारा तोरण द्वार लगाकर भंडारे एवं मिष्ठान वितरण कर भावभीना स्वागत किया गया। नगर कीर्तन में,,,शामिल रहे । समापन अवसर पर मालवीय चौक में उत्साही नौजवानों ने आकर्षक आतिशबाजी और पटाखों के साथ ही जोरदार भांगड़ा कर माहौल को खुशनुमा कर दिया । प्रधानसाहब प्रताप सिंह विरदी, जत्थेदार कुलदीप सिंह बंसल, सचिव सुखवीर सिंह, इंदरपाल सिंह सेहमी, अवतार सिंह बांगा, जतिंदर सिंह सैनी, एम एस नागी, अमनदीप सिंह विरदी, रजिंदर सिंह धंजल, सुरिंदर सिंह अहलूवालिया एवं गुरुपर्व समिति ने नगर वासियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

5 नवम्बर को मनाई जाएगी गुरुनानक जयंती

गैरीसन मैदान में 5 नवम्बर को गुरुनानक जयंती मनाई जाएगी। इसी दिन गुरुनानक स्थली गुरुद्वारा मढ़ाताल में भोर बेला में प्रातः 4.30 बजे से प्रातः 9 बजे तक कीर्तन दरबार एवं गुरु का लंगर वितरित किया जाएगा। उसके पूर्व 4 ता. को रात्रि 6 बजे से 11.30 बजे तक कीर्तन दरबार में विख्यात रागी जत्थे शिरकत करेंगे ।

प्राचीन बौद्ध मठ, गोपालपुर में बुद्धचरित्र भगवंत कथा का हुआ समापन

जबलपुर। प्राचीन बौद्ध मठ, गोपालपुर में आयोजित बुद्धचरित्र भगवंत कथा का भव्य समापन समारोह अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के वातावरण में सम्पन्न हुआ। यह सात दिवसीय कथा श्रृंखला बौद्ध धर्म के महान प्रवचनकार, महापंडित सद्धार्माचार्य पूज्य भिक्षु प्रियदर्शी थेरो के सान्निध्य में आयोजित की गई थी। पूज्य भिक्षु प्रियदर्शी थेरो, जो पाली, बौद्ध और संस्कृत साहित्य के मनीषी तथा अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कथाचार्य हैं, ने पूरे सप्ताह भर भगवान गौतम बुद्ध के जीवन, उपदेशों और धर्मचक्र प्रवर्तन की गाथा का सुन्दर वर्णन किया। उनके ओजस्वी और करुणामय प्रवचनों ने श्रोताओं के हृदय को गहराई से स्पर्श किया। उन्होंने अपने प्रवचन में बताया कि भगवान बुद्ध का जीवन हमें सिखाता है कि दुःख का मूल कारण अज्ञान, तृष्णा और आसक्ति है और उसका निवारण केवल सम्यक दृष्टि, सम्यक विचार और सम्यक कर्म से संभव है। थेरो ने यह भी कहा कि बुद्ध का संदेश केवल एक धर्म विशेष के लिए नहीं, बल्कि सम्पूर्ण मानवता के कल्याण हेतु है। जब समाज हिंसा, द्वेष और भेदभाव की ओर झुकता है, तब बुद्ध का करुणा और मैत्री का मार्ग हमें शांति और सहअस्तित्व की राह दिखाता है। कथा के समापन दिवस पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या प्राचीन बौद्ध मठ परिसर में एकत्र हुई। भिक्षु संघ द्वारा मंगलाचरण एवं त्रिशरण "बुद्धं शरणं गच्छामि, धम्मं शरणं गच्छामि, संघं शरणं गच्छामि" का सामूहिक पाठ हुआ। वातावरण बुद्ध-वंदना और घंटा-घड़ियाल की मधुर ध्वनियों से गूँज उठा। कार्यक्रम के दौरान कई सामाजिक एवं धार्मिक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा गया कि "भगवान बुद्ध के उपदेश आज के युग में पहले से भी अधिक प्रासंगिक हैं। जब मानव मन अस्थिरता, तनाव और असहिष्णुता से जूझ रहा है, तब बुद्ध का मध्यम मार्ग हमें संतुलन, संयम और स्थिरता की दिशा प्रदान करता है।"

नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा भेड़ाघाट के लिए विशेष पूजन सम्पन्न

जबलपुर। भेड़ाघाट स्थित कालीधाम हरे कृष्णा आश्रम में पूज्य दंडी स्वामी कालिकानंद सरस्वती जी महाराज के सान्निध्य में 468वीं नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा के शुभारंभ से पूर्व विशेष पूजन विधि-विधान से संपन्न हुआ। यह भव्य परिक्रमा 5 नवम्बर (कार्तिक पूर्णिमा) को निकाली जाएगी।

पूजन में श्रीमती सावित्री देवी अग्रवाल की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम में नर्मदा महाआरती के संस्थापक एवं परिक्रमा अध्यक्ष डॉ. सुधीर अग्रवाल, संरक्षक श्रीमती सुषमा शंकर पटेल, मनमोहन दुबे, श्याम मनोहर पटेल, विनोद दीवान, मोहित तिवारी, नितिन चौबे, सत्यप्रकाश नामदेव तथा दीपक तिवारी सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

गढ़ा में मदरसा अहले सुन्नत का सालाना जलसा संपन्न

बच्चों ने दी प्रेरक प्रस्तुतियां, समाजसेवी युवाओं का हुआ सम्मान

जबलपुर। उपनगरीय क्षेत्र गढ़ा स्थित तकिया मोहल्ला में मंगलवार रात्रि 8 बजे मदरसा अहले सुन्नत गढ़ा के तत्वावधान में सालाना जलसा अकीदत और मुहब्बत के साथ आयोजित किया गया। जलसे की शुरुआत हाफ़िज़ शाहरुख और हाफ़िज़ इमरान ने तिलावत-ए-कुरआन पाक से की। जलसे की सदारत हाजी शेख शहादत एवं सरपरस्ती हाजी खलील शाह इंजीनियर ने की। कलीम बाबा की हिमायत तथा मुदर्रिस (शिक्षक) हाफिज नूरूल इस्लाम की कयादत में जलसे का संचालन हाफ़िज़ असद करबलाई ने किया। जलसे में

मदरसे के मासूम बच्चों ने पैग़म्बर-ए-इस्लाम हज़रत मोहम्मद (सल्ल.) की सीरत-ए-तय्यबा और आदर्शों पर रौशनी डाली। साथ ही प्रकृति संरक्षण, वृक्षारोपण, देशप्रेम और वतनपरस्ती जैसे विषयों पर भाषण और कौमी गीत प्रस्तुत कर उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया।जलसे के दौरान कक्षा 10वीं और 12वीं में प्रथम श्रेणी प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को तथा भाषण व गीत प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को पुरस्कार प्रदान किए गए।

इसके साथ ही मानव सेवा में सक्रिय समाज सेवी अरशद कादरी, कादिर खान, नियाज़ मंसूरी, हाफ़िज़ इश्तियाक, मुस्ताक उस्मानी, इरफान मुस्तफाई, नाजिर शाह, आदिल हुसैन, ज़फ़र उस्मानी, मोहम्मद जकी, मोहम्मद अनस और हाफिज जुनैद को भी सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया।

भारतीय दिगम्बर जैन तीर्थ संरक्षिणी महासभा की कार्यकारिणी घोषित

जबलपुर। भारतीय दिगम्बर जैन तीर्थ संरक्षिणी महासभा की वर्ष 2025-26 के लिए जबलपुर संभाग (महाकौशल) की नवीन कार्यकारिणी की घोषणा महासभा के संयोजक, अध्यक्ष, डॉ. यतीश जैन द्वारा की गई है। संभागीय प्रचारक नितिन जैन ने बताया कि राष्ट्रीय एवं मध्य प्रदेश नेतृत्व की सलाह एवं सहमति के आधार पर तीर्थों के संरक्षण और जैन संस्कृति के प्रचार-प्रसार हेतु यह नवीन कार्यकारिणी मनोनीत की गई है। नवीन कार्यकारिणी में संयोजकअध्यक्ष डॉ. यतीश जैन, कार्यकारी अध्यक्ष चिंतामणि जैन जबलपुर को मनोनीत किया गया. वहीं एडवोकेट अमिताभ भारती कटनी, निशित जैन जबलपुर, आलोक जैन सागर, पिंकेश पटोरिया परासिया, सीए संजय सिंघई सतना, प्रोफेसर नरेंद्र जैन छतरपुर, और प्रमोद जैन बालाघाट को उपाध्यक्ष बनाया गया।

अधिवक्ता खेल महाकुंभ का भव्य शुभारंभ

अधिवक्ताओं ने विभिन्न खेलों में आजमाए अपने हाथ

जबलपुर। मध्य प्रदेश राज्य, मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय एवं मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय अधिवक्ता संघ के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में मध्य प्रदेश अधिवक्ता क्रीड़ा परिषद के द्वारा अधिवक्ता खेल महाकुंभ का आयोजन पीएम श्री शासकीय महाकौशल महाविद्यालय खेल परिसर में किया गया। इस अत्यंत भव्य एवं गरिमा पूर्ण कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद विवेक कृष्ण तन्खा ने रिबन काटकर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। विवेक कृष्ण तन्खा ने अपने उद्बोधन में कहा कि जबलपुर को न्यायधानी एवं संस्कारधानी होने के साथ इस तरह खेल महाकुंभ के आयोजन होने से खेलधानी होने का भी गौरव प्राप्त होता है।

इस अवसर पर मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष डीके जैन, जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष मनीष मिश्रा, महाकौशल महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अल्केश चतुर्वेदी, टैक्स बार एसोसिएशन के

अध्यक्ष शिशिर नेमा, स्पोर्ट्स ऑफिसर डॉ. ज्योति मंच पर आसीन रहे।

शुभारंभ कार्यक्रम के पश्चात पावर लिफ्टिंग बेंच प्रेस, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, वॉलीबॉल की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इन प्रतियोगिताओं में महिला एवं पुरुष वर्ग के अधिवक्ता खिलाड़ियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम में जिला अधिवक्ता संघ की उपाध्यक्ष ज्योति राय, मनोज तिवारी, सचिव ज्ञान प्रकाश त्रिपाठी, मनोज शिवहरे, विनोद विश्वकर्मा, नीलम चंसोरिया, देवेश जैन, निधीश पांडे, राम प्रकाश शिवहरे, नितिन पटेल की उपस्थिति विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम का संचालन अधिवक्ता क्रीड़ा परिषद के संस्थापक डॉ. प्रशांत मिश्रा के द्वारा किया गया।

मुख्यमंत्री आज करेंगे बिजली बिल बकायादारों के लिए समाधान योजना 2025-26 का शुभारंभ

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव राज्य शासन के ऊर्जा विभाग द्वारा लागू की जा रही समाधान योजना 2025-26 का शुभारंभ आज भोपाल में करेंगे। बिजली बिल बकायादारों को बड़ी राहत देने के लिए समाधान योजना का शुभारंभ एमपी पॉवर मैनेजमेंट कंपनी, क्षेत्रीय कार्यालय अरेरा कॉलोनी भोपाल में सोमवार को प्रातः 10 बजे होगा। शुभारंभ कार्यक्रम में ऊर्जा मंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर, अपर मुख्य सचिव ऊर्जा, नीरज मंडलोई, एमपी पॉवर मैनेजमेंट कंपनी के प्रबंध संचालक अविनाश लवानिया, मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक क्षितिज सिंघल सहित कंपनी के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहेंगे।

नामदेव जयंती समारोह कला वीथिका में सम्पन्न

जबलपुर। नामदेव समाज विकास परिषद शाखा जबलपुर के द्वारा संत नामदेव महाराज की 755वीं जयंती के उपलक्ष्य में कला वीथिका में समारोह आयोजित किया गया। सर्वप्रथम संत नामदेव के तैलचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर पूजन अर्चन किया गया। तत्पश्चात जगतगुरु स्वामी राधावाचार्य एवं अखिलेश्वरानन्द की गरिमामयी उपस्थिति में समाज के प्रतिभाशाली बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी।

पूज्य स्वामीद्वय ने संत शिरोमणी नामदेव जी महाराज के जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि भक्त अगर सच्चा है तो भगवान भी भक्त के आगे झुकते हैं। समरसता सेवा के अध्यक्ष संदीप जैन (गुड्डू भैया) उपस्थित रहे। उत्तर मध्य के विधायक अभिलाष पाण्डे ने फोन के माध्यम से अपनी शुभकानायें समाज को दी एवं शरद अग्रवाल भी अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अध्यक्ष अशोक नामदेव, बाबूलाल नामदेव, गौरीशंकर नामदेव, बृजेश नामदेव, सुरेन्द्र नामदेव, गिरीश वर्मा, युवा अध्यक्ष बबलू शरद नामदेव, इं. दिनेश नामदेव, सुनील नामदेव, इं. दीपक नामदेव, महिला अध्यक्ष मीना नामदेव, दीपाली नामदेव, वर्षा नामदेव, रजनी नामदेव, सुनील नामदेव, वीरेन्द्र नामदेव सहित सैकड़ों की तादात में नामदेव स्वजातिय बंधु उपस्थित रहे। जयंती पर भण्डारे का आयोजन किया गया।

संस्कारधानी विमेंस प्रीमियर लीग में महिला क्रिकेट का नया अध्याय जुड़ा

जबलपुर। शहर की खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और महिला खिलाड़ियों को एक सशक्त मंच प्रदान करने के उद्देश्य से "संस्कारधानी विमेंस प्रीमियर लीग का आयोजन किया जा रहा है। यह लीग जबलपुर में पहली बार महिला क्रिकेट को एक नए आयाम पर लेकर जाएगी। इस प्रतियोगिता का शुभारंभ 01 दिसंबर 2025 से रानीताल स्टेडियम, जबलपुर में किया जाएगा। लीग में शहर एवं आसपास के क्षेत्रों की कई महिला टीमें भाग लेंगी।आयोजन समिति में सुरिंदर

गुजराल, शिखा जैन, शिखा श्रीवास्तव, शालिनी साहू, रचना त्रिवेदी प्रमुख भूमिका निभा रही हैं, जबकि सह-आयोजक के रूप में माही गुप्ता और दिशा नोटनानी जुड़ी हुई हैं। ब्रांड प्रमोशन पार्टनर के रूप में प्रेरणा जदवानी इस आयोजन से जुड़ी हैं। आयोजकों ने बताया कि इस लीग का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना और उन्हें समान अवसर प्रदान करना है। टूर्नामेंट में रोमांचक मैचों के साथ दर्शकों के लिए मनोरंजन और प्रेरणा का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। कार्यक्रम का संचालन और समन्वय लकी साहू द्वारा किया जा रहा है। आयोजकों ने सभी मीडिया प्रतिनिधियों और खेल प्रेमियों से आग्रह किया है कि वे इस ऐतिहासिक आयोजन का हिस्सा बनें और महिला क्रिकेट के इस उत्सव को सफल बनाएं।

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस पर आज़ाद बाग़ में शानदार मुशायरा संपन्न

जबलपुर। मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर शनिवार को गोहलपुर स्थित आज़ाद बाग़ में हमारा चमन और बज़्मे मरासिम के संयुक्त तत्वावधान में एक शानदार मुशायरे का आयोजन किया गया। मुशायरे की अध्यक्षता हाजी मज्जू कुरैशी ने एवं निजामत राशिद राही ने की। मुशायरे में शहर के नामचीन शायर बाबू अनवर निजामी, शेख निजामी, सिराज आगाजी, निसार अहमद निसार, मुख्तार नादिर और परवाज़ गजफरी ने अपने कलाम पेश किए। आयोजक हमारा चमन के शकील बाबू और शोएब अख्तर ने शहरवासियों शिरकत पर आभार व्यक्त किया।

ब्राह्मण स्वयंवर संस्कार महासभा का 26वां वैवाहिक परिचय सम्मेलन सम्पन्न

जबलपुर। ब्राह्मण स्वयंवर संस्कार महासभा द्वारा 2 नवम्बर को मानस भवन में 26वां विप्र परिवार वैवाहिक परिचय सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में प्रदेशभर से करीब 700 समाजजन एवं 650 अभिभावक शामिल हुए। 46 युवकों व 48 युवतियों ने मंच से परिचय दिया। कार्यक्रम में 3 विवाह संबंध तय हुए।मुख्य अतिथि के रूप में लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में पं. के.पी. पाण्डेय, पं. वासुदेव शास्त्री, पं. अशोक मनोध्या, नेता प्रतिपक्ष अमरीश मिश्रा, राजेश मिश्रा आदि शामिल हुए। संस्था के संस्थापक पं. वीरेंद्र तिवारी व अध्यक्ष पं. मुन्नालाल दुबे ने संगठन की 25 वर्ष की यात्रा पर संतोष व्यक्त करते हुए समाजसेवा के नए संकल्प लिए।

फिल्म अभिनेता प्रेमनाथ की पुण्यतिथि आज

जबलपुर। महान फिल्म अभिनेता प्रेमनाथ की 33 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर 3 नवम्बर को प्रातः साढ़े 10 बजे जिलहरी घाट स्थित उनकी समाधि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। श्रद्धांजलि सभा का आयोजन प्रेमनाथ को प्यार व सम्मान देने वाले एक समूह द्वारा किया गया है।श्रद्धांजलि सभा के आयोजन से जुड़े हुए पवन शर्मा ने कहा कि प्रेमनाथ से ही फिल्म इंडस्ट्री में जबलपुर की एक पहचान थी और प्रेमनाथ भी दिल से जबलपुर को बेहद चाहते थे। प्रेमनाथ अपनी दमदार स्क्रीन उपस्थिति और अलग-अलग तरह के किरदारों में

यादगार परफॉर्मेंस के लिए मशहूर थे। प्रेमनाथ को आज भी जुनून, लगन और कलात्मक उत्कृष्टता के प्रतीक के रूप में याद किया जाता है। भारतीय फिल्म इतिहास में उनका शानदार योगदान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का एक स्थायी स्रोत बना हुआ है।

प्रेमनाथ के जीवन और विरासत की याद में जिलहरी घाट पर उनकी समाधि पर हवन और प्रार्थना सभा का आयोजन होगा।

समूह के लक्ष्मीकांत शर्मा, फिल्म निर्देशक सावन कुमार के सहायक रहे पुनीत मिकी चोपड़ा, फिल्म मेकर ऋत्विक यादव, एनआरआई चेतन जग्गी, राजेश राव, करम परिहार व रमेश शर्मा ने प्रेमनाथ को याद रखने वाले उनके प्रशंसकों से आयोजन में सहभागी बनने का अनुरोध किया है।